ताकत तब आती है जब आप बड़े पैमाने पर प्रतिकूल परिस्थितियों में मैदान पर खड़े हो जाते हो। आपके बाइसेप्स का आकार मायने नहीं रखता। वास्तव में आपकी इच्छा का विस्तार मायने रखता है। - महात्मा गांधी

कनेक्ट

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद

खंड 6 अंक 5 **मई 2020** **www.mgncre.org**

मुफ्त ऑनलाइन शिक्षा के लिए सरकारी पोर्टल का उपयोग करें ....

मानव संसाधन विकास मंत्री श्री रमेश पोखरियाल "निशंक"

मानव संसाधन विकास मंत्री श्री रमेश पोखरियाल ने कहा "छात्र कोविद -19 लॉकडाउन के दौरान सरकारी पोर्टलों पर उपलब्ध मुफ्त ई-लर्निंग संसाधनों का उपयोग कर सकते हैं। उन्होंने शिक्षकों से अपने ज्ञान और शिक्षण कौशल को बढ़ाने के लिए लॉकडाउन अवधि का उपयोग करने और @SWAYAMMHRD के साथ डिजिटल मोड पर सीखने के लिए स्विच करने का आह्वान किया, जो वीडियो लेक्चर की पेशकश कर सकता है; ऑनलाइन चर्चा; स्वयं-मूल्यांकन परीक्षण; डाउनलोड करने योग्य पठन सामग्री और बहुत कुछ।"

कोविद -19 लॉकडाउन के बदले, यू.जी.सी. ने कोविद-19 महामारी के दौरान परीक्षाओं और शैक्षणिक गतिविधियों से संबंधित छात्र शिकायतों की निगरानी के लिए एक हेल्पलाइन की स्थापना की है। प्रत्येक विश्वविद्यालय को निर्देश दिया गया है कि वह कोविद-19 महामारी के दौरान परीक्षाओं और शैक्षणिक गतिविधियों से संबंधित छात्र शिकायतों से निपटने के लिए एक सेल स्थापित करें और छात्रों को प्रभावी ढंग से सूचित करें। मंत्रालय ने ऑनलाइन सीखने, अकादमिक कैलेंडर और परीक्षाओं पर ध्यान केंद्रित करने और छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों से निपटने के लिए तीन कार्य बलों की स्थापना की है। उनकी रिपोर्ट के बाद, एम.एच.आर.डी. के साथ उचित परामर्श के बाद संबंधित निकाय, स्कूलों, विश्वविद्यालयों / कॉलेजों के लिए उचित दिशानिर्देश जारी करेंगे।
वर्तमान महामारी के डर के बारे में बोलते हुए, श्री रमेश पोखरियाल ने आगे कहा कि "राज्य अपने स्वयं के शैक्षणिक कैलेंडर और मूल्यांकन अनुसूची विकसित कर सकते हैं और चुन सकते हैं कि स्थानीय रूप से प्रचलित स्थिति के आधार पर उनका ग्रीष्मकालीन अवकाश कब हो"

वर्तमान स्थिति के साथ, एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने डिजिटल कार्य के एक अनूठे तरीके को अपनाया है। एम.जी.एन.सी.आर.ई. नई तालीम, ग्रामीण प्रबंधन और स्वच्छ कार्य योजना पर वर्चुअल फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम एवं वर्कशॉप आयोजित करने की राह पर है। इस महीने से ऑनलाइन एक दिवसीय कार्यशालाएं और 5-दिवसीय एफ.डी.पी. की योजना बनाई गई है, सत्र वार सामग्री और सत्र वितरण योजना पहले से ही डाल दी गई है।

ये ऑनलाइन एफ.डी.पी. और कार्यशालाएं विश्वविद्यालयों और विश्वविद्यालयों के शिक्षक शिक्षा विभागों के संकायों, पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक और शिक्षण (पी.एम.एम.एन.एम.टी.टी.), मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली, भारत सरकार के तहत राष्ट्रीय शैक्षिक संस्थानों के संकाय के लिए आयोजित की जा रही हैं।

संपादक की टिप्पणी

कोविद-19 महामारी ने सभी पहलुओं - शैक्षणिक, सामाजिक और वित्तीय - में दुनिया के परिदृश्य में बदलाव का एक बहुत लाया है। यह कहना एक समझदारी है कि हमारी दुनिया पिछले कुछ महीनों में नाटकीय रूप से बदल गई है। उपन्यास कोरोना वायरस महामारी के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था को अकल्पनीय नुकसान हुआ है और वैश्विक शांति के युग में मानव जीवन की क्षति अभूतपूर्व रही है। लेकिन आगे बढ़ना और बदलती परिस्थितियों के अनुकूल होना जीवन का तरीका है।

पूरे देश के लॉकडाउन को ध्यान में रखते हुए, एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने वर्चुअल वर्क जैसे कि ऑनलाइन वर्कशॉप और फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का संचालन किया है।

"केस चर्चा पद्धति" पर ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम हमारे ग्रामीण प्रबंधन पाठ्यक्रम की आवश्यकता को पहचानने के उद्देश्य से है; आंतरिककरण करें और इसका स्वामित्व लें और प्रत्येक पाठ्यक्रम पुस्तक की संरचना से परिचित हों; मामले के तरीकों का उपयोग करके पाठ्यक्रम को प्रभावी ढंग से लेनदेन करना; ग्रामीण प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं की सराहना करते हैं; बी.बी.ए. आर.एम. छात्रों के लिए इंटर्नशिप की समझ को हासिल करने; और ग्रामीण प्रबंधन क्षेत्र में उपलब्ध रोजगार के अवसरों की समझ हासिल करना।

"अनुभवात्मक शिक्षण पद्धति - गांधीजी की नई तालीम" पर ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम कार्य और शिक्षा के जुड़ाव को जोड़ने का प्रयास करता है; श्रम की गरिमा के पहलुओं की सराहना करता है और उत्पादक कार्यों में भागीदारी का उपयोग करता है; स्कूल पड़ोस समुदायों के साथ जुड़ाव के तरीकों का उपयोग करें; (नई तालीम और क्षेत्र कार्य) शिक्षण और क्षेत्र की गतिविधियों में संलग्न होने की पद्धति।

स्वच्छता कार्य योजना कार्यशाला ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता, सफाई को बढ़ावा देने और खुले में शौच को समाप्त करने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में जीवन की सामान्य गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए एक परिणाम के लिए निर्धारित है। प्रेरित समुदायों को स्थायी स्वच्छता प्रथाओं और सुविधाओं को अपनाने के लिए प्रेरित करें, और पारिस्थितिक रूप से सुरक्षित और स्थायी स्वच्छता के लिए लागत प्रभावी और उपयुक्त तकनीकों को प्रोत्साहित करें।

डॉ. डब्ल्यू.जी. प्रसन्न कुमार
अध्यक्ष एम.जी.एन.सी.आर.ई.

एम.जी.एन.सी.आर.ई. कार्यक्रम विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में काम करने वाले शिक्षकों के शैक्षिक उन्नयन में मदद करेंगे; शिक्षा के विभिन्न क्षेत्रों में नवाचार और विकास में मदद; उच्च शिक्षा संकाय, उनकी जिम्मेदारी के क्षेत्रों, अनुभवात्मक शिक्षा के तरीकों और ग्रामीण जुड़ाव की भूमिका पर ध्यान केंद्रित; और संकाय को क्रियात्मक अनुसंधान आधारित शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में संलग्न करने में सक्षम बनाना।

कोविद-19 महामारी और परिणामी स्थिति ने हम सभी को हिलाकर रख दिया है, लेकिन अब हमें जो चाहिए वह है आशावाद और सावधानी का एक विवेकपूर्ण मिश्रण। सभ्यता ने अपने इतिहास में कई संकटों को सहन किया है जो हमने अपने पीछे रखा है।
हम फिर होंगे कामयाब।

डॉ. भरत पाठक
उपाध्यक्ष एम.जी.एन.सी.आर.ई.

"जीवन में किसी भी चीज से डरना नहीं चाहिए, इसे केवल समझना है। अब अधिक समझने का समय है, ताकि हम कम डर सकें।"

मैडम क्यूरी

उच्चतर शिक्षा विभाग,
मानव संसाधन विकास
मंत्रालय,
भारत सरकार

महात्मा गांधी राष्ट्रीय
ग्रामीण शिक्षा परिषद

संकाय विकास केंद्र

(शिक्षक और शिक्षण पर पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय मिशन)

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद

उच्चतर शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार
हैदराबाद

द्वारा आयोजित

ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम

विश्वविद्यालयों, कॉलेज, उच्चतर शिक्षण संस्थान के शिक्षक शिक्षा विभागों के संकाय के लिए

शिक्षक और शिक्षण पर पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय मिशन
(पी.एम.एम.एम.एन.एम.टी.टी.) मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली, भारत सरकार के तहत

"अनुभवात्मक शिक्षा पद्धति - गांधीजी की नई तालीम" पर

(18 जुलाई, 2018 के यू.जी.सी. अधिसूचना के अनुसार पी.एम.एम.एम.एन.एम.टी.टी. के तहत सभी कार्यक्रम सी.ए.एस. के तहत पदोन्नति के लिए मान्य हैं)

- विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में काम कर रहे शिक्षकों का शैक्षणिक उन्नयन
- शिक्षा के विभिन्न क्षेत्रों में नवाचार और विकास
- उच्चतर शिक्षा संकाय, उनकी जिम्मेदारी के क्षेत्रों, अनुभवात्मक शिक्षा के तरीके और ग्रामीण जुड़ाव की भूमिका पर ध्यान दें

11 - 15 मई 2020

पंजीकरण: https://forms.gle/SRkpJox9XaQHxvy5

ई-मेल: naitalimfdpmgncre@gmail.com

उच्चतर शिक्षा विभाग,
मानव संसाधन विकास
मंत्रालय,
भारत सरकार

महात्मा गांधी राष्ट्रीय
ग्रामीण शिक्षा परिषद

संकाय विकास केंद्र

(शिक्षक और शिक्षण पर पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय मिशन)

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद

उच्चतर शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार
हैदराबाद

द्वारा आयोजित

ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम

विश्वविद्यालयों, कॉलेज, उच्चतर शिक्षण संस्थान के प्रबंधन संकाय के लिए

शिक्षक और शिक्षण पर पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय मिशन
(पी.एम.एम.एम.एन.एम.टी.टी.) मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली,
भारत सरकार के तहत

"केस चर्चा पद्धति" पर

(18 जुलाई, 2018 के यू.जी.सी. अधिसूचना के अनुसार पी.एम.एम.एम.एन.एम.टी.टी. के तहत सभी कार्यक्रम सी.ए.एस. के तहत पदोन्नति के लिए मान्य हैं)

- विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में काम कर रहे शिक्षकों का शैक्षणिक उन्नयन
- शिक्षा के विभिन्न क्षेत्रों में नवाचार और विकास
- उच्चतर शिक्षा संकाय, उनकी जिम्मेदारी के क्षेत्रों, अनुभवात्मक शिक्षा के तरीके और ग्रामीण जुड़ाव की भूमिका पर ध्यान दें

11 - 15 मई 2020

पंजीकरण: https://forms.gle/HvN7g1mCcd8KrGeE8

ई-मेल: rmfdpmgncre@gmail.com

उच्चतर शिक्षा विभाग,
मानव संसाधन विकास
मंत्रालय,
भारत सरकार

स्वच्छता कार्य योजना

महात्मा गांधी राष्ट्रीय
ग्रामीण शिक्षा परिषद

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद

उच्चतर शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार
हैदराबाद

द्वारा आयोजित

ऑनलाइन कार्यशाला

विश्वविद्यालयों, कॉलेज, उच्चतर शिक्षण संस्थान के संकाय के लिए

"स्वच्छता कार्य योजना" पर

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली, भारत सरकार

(स्वच्छ कार्य योजना के तहत संरक्षक संस्थानों की क्षमता निर्माण के लिए एक कार्यक्रम)

- स्वच्छता कार्य योजना तैयार करने और कार्यान्वित करने के लिए उच्च शिक्षा संस्थानों की क्षमता निर्माण
- स्वच्छता, हरियाली विकास, तरल और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और ऊर्जा संरक्षण पर ध्यान केंद्रित

5 मई - 4 जुलाई 2020

पंजीकरण: https://forms.gle/iVft9nWC5PgvRK7

ई-मेल: sapfdpmgncre@gmail.com

बी.बी.ए. ग्रामीण प्रबंधन के लिए केस चर्चा

केस चर्चा पद्धति समस्या समाधान में प्रशिक्षण के लिए आवश्यक अनुभवात्मक अधिगम पद्धति है। प्रबंधन शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए मामला चर्चा पद्धति विशेष रूप से ग्रामीण प्रबंधन यहाँ प्रस्तावित है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सूक्ष्म, सामाजिक और अभिनव उद्यमों के माध्यम से विकास की व्यापक संभावना है। उच्च शिक्षा संस्थानों को ग्रामीण उद्यम और ग्रामीण उद्यमिता में योगदान करने की आवश्यकता है।

इसे बाजार लिंकेज, ग्रामीण उद्यमिता, ग्रामीण प्रौद्योगिकी विकास, माइक्रोफाइनेंस, आजीविका और कौशल विकास, के महत्वपूर्ण क्षेत्रों में क्षमता निर्माण और मानव संसाधन विकास की आवश्यकता है

प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, कृषि के प्रबंधन और स्वास्थ्य, शिक्षा, प्रबंधन के क्षेत्रों में तकनीकी सहायता। गाँव की स्वच्छता और बुनियादी ढाँचा विकास।

इस प्रकार, एक बहु-अनुशासनात्मक दृष्टिकोण के साथ विकसित तीन वर्ष का ग्रामीण प्रबंधन कार्यक्रम छात्रों को ग्रामीण क्षेत्र के सार्वजनिक और निजी डोमेन में उभरते और बढ़ते अवसरों का दोहन करने के लिए सुसज्जित करता है। यह कार्यक्रम विशेष रूप से पहचाने जाने वाले ग्रामीण उन्मुख पाठ्यक्रमों में शामिल होगा जो प्रबंधन के सामान्य सिद्धांतों को आवरण करते हैं और मूल विषय छात्रों को बुनियादी विश्लेषणात्मक, प्रदान करते निर्णय लेने और व्यक्तिगत कौशल हैं। संदर्भ और फोकस ग्रामीण हैं। यह कार्यक्रम

अपने ग्रामीण जुड़ाव घटक- के लिए गहराई से ग्रामीण क्षेत्र के संपर्क, अवधि और आवृत्ति के लिए खड़ा है।

इसमें छात्रों के लिए क्षेत्र कार्य और शिक्षा के अवसरों के तीन घटक हैं, एक सरकारी संगठन, एक एन.जी.ओ. और एक वाणिज्यिक ग्रामीण उद्यम जैसे कि सहकारी या सामाजिक व्यावसायिक उद्यम को आवरण करना। विश्वविद्यालय के पुस्तकालयों और अन्य डिजिटल मीडिया के माध्यम से विशाल ऑनलाइन रिपॉजिटरी उच्च शिक्षा संस्थानों को सफलता और विफलता के मामले के अध्ययन और अनुभवों को साझा करने के लिए एक अनोखी क्षमता प्रदान करते हैं जो पहले अकल्पनीय थे।

एफ.डी.पी. के बारे में

उद्देश्य:

- विशेष रूप से प्रकरण शिक्षण पद्धति शिक्षण के विभिन्न तरीके प्रदर्शित करने के लिए
- पाठ्यक्रम की संरचना और बी.बी.ए. आर.एम. में पाठ्यक्रम के साथ करने के लिए छात्रों को परिचित
- बी.बी.ए. ग्रामीण प्रबंधन में प्रथम सेमेस्टर विषय से छात्रों को परिचित कराना
- ग्रामीण प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं को पेश करने के लिए
- इंटर्नशिप की अवसरों का पता लगाने के लिए और ग्रामीण प्रबंधन में नियुक्ति
- ग्रामीण प्रबंधन क्षेत्र में उपलब्ध रोजगार और उद्यमिता के अवसरों के लिए उन्हें उजागर करना

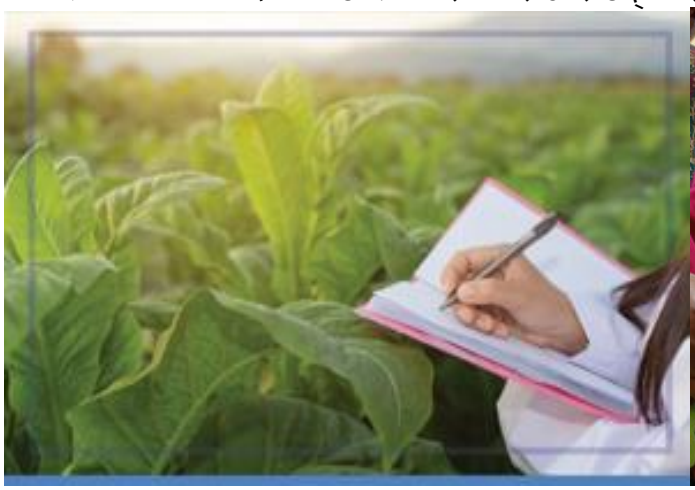

अनुभवात्मक शिक्षण पदधति - गांधीजी की नई तालीम

गांधीजी नई तालीम अनुभवात्मक शिक्षा की दृष्टि और दर्शन को समझने पर ध्यान केंद्रित करते हैं - गांधीजी की नई तालीम पाठ्यक्रम और अनुभव प्राप्त करने और तीन एच (हेड, हार्ट और हैंड) पर प्रभाव के माध्यम से अनुभवात्मक शिक्षा गतिविधियों में भाग लेते हैं। कार्यप्रणाली छात्र शिक्षक के लिए प्रासंगिक रूप से उपयुक्त कार्य गतिविधियों को तैयार करने में मदद करेगी; शिक्षक शिक्षा में स्थानीय सामुदायिक जुड़ाव से संबंधित पहलुओं की पहचान करना; कला के मॉडल, उद्यमशीलता के लिए शिल्प अर आत्मनिर्भरता के लिए खोज, विविध पृष्ठभूमि के लोगों का स्वागत करके वैश्विक नागरिकता का अभ्यास करें। प्रतिभागियों को गंभीर रूप से प्रतिबिंबित कर सकते हैं, अनुभवात्मक शिक्षा / कार्य शिक्षा कैसे छात्रों को आजीवन शिक्षार्थी बनाने में मदद करेगा पर दृष्टिकोण को संशोधित। अनुभवात्मक शिक्षा के माध्यम से शिक्षा का उद्देश्य अच्छी तरह से महसूस किया जाता है।

एफ.डी.पी. के बारे में

उद्देश्य:

- कार्य और शिक्षा के संबंध स्थापित करना
- श्रम और उत्पादक कार्य में भाग लेने की गरिमा की अवधारणा के पहलुओं को पेश करना
- नई तालीम और अनुभवात्मक अधिगम पर गांधी के विचारों को पेश करना
- समुदाय कार्य के विभिन्न पहलुओं को पेश करना
- कार्य के विभिन्न तरीकों का प्रदर्शन करने के लिए अर्थात्, पड़ोस के समुदायों के साथ स्कूल
- नई तालीम के अनुभवात्मक शिक्षा के क्षेत्र कार्य घटक के साथ परिचित करना

स्वच्छता कार्य योजना

गांधीजी ने कहा कि स्वच्छता, भक्ति से भी बढ़कर है। भारत को एक स्वच्छ और हरा-भरा देश बनाने के लिए, स्वच्छ कार्य योजना एक ऐसा प्रयास है। स्वच्छ कार्य योजना से मदद मिलेगी -

- ✓ स्वच्छता की दृष्टि को समझें
- ✓ प्राप्त ज्ञान और नियमित स्वच्छता और स्वच्छता प्रथाओं के ज्ञान और प्रभाव का अनुभव करें
- ✓ अपशिष्ट प्रबंधन तकनीकों को समझें
- ✓ गांवों में उपयोग की जाने वाली ऊर्जा और जल संरक्षण विधियों का अन्वेषण करें
- ✓ छात्र शिक्षक के लिए प्रासंगिक रूप से उपयुक्त कार्य की गतिविधियों
- ✓ स्वच्छता में स्थानीय सामुदायिक सहभागिता से संबंधित पहलुओं की पहचान करें
- ✓ गोद लेने और गोद लिए गांवों में प्रासंगिक रूप से उपयुक्त कार्य की गतिविधियों / जागरूकता कार्यक्रमों को प्रस्तुत करें
- ✓ कला के मॉडल, उद्यमशीलता के लिए शिल्प और आत्मनिर्भरता के लिए अन्वेषण करें
- ✓ विविध पृष्ठभूमि के लोगों का स्वागत करते हुए अभ्यास करें।
- ✓ कैंपस, गांवों के भीतर लेनदेन की गतिविधियों को अपने आप में, अपने संस्थानों और अपने समुदायों में सकारात्मक बदलाव लाने के उद्देश्य से अपनाया
- ✓ उस प्रोग्राम से सीखने का विश्लेषण और साझा करें जो अपशिष्ट प्रबंधन पाठ्यक्रम में लागू किया जा सकता है
- ✓ ग्रामीण समुदाय की ताकत और कमजोरियों को समझने के लिए विभिन्न ग्रामीण तल्लीनता गतिविधियों / कार्यप्रणाली में भाग लें
- ✓ उच्च शैक्षिक संस्थानों में छात्र शिक्षकों द्वारा सामुदायिक सहभागिता पर विचार साझा करें
- ✓ शैक्षणिक हस्तक्षेप में व्यावहारिक केसलेट का उपयोग करें

कार्यशाला के उद्देश्य:

- स्वच्छता के पहलुओं को लागू करना
- ग्रामीण और शहरी भारत के लोगों के साथ विकास चुनौतियों की पहचान करने और स्थायी स्वच्छता और जल प्रबंधन में तेजी लाने के लिए उचित समाधान विकसित करने के लिए उच्च शैक्षिक संस्थानों को सक्षम करना
- उभरते व्यवसायों के लिए ज्ञान और प्रथाओं उपलब्ध करके द्वारा समाज और एक समावेशी शैक्षिक प्रणाली के बीच एक गुणी चक्र बनाने
- स्वच्छता के जवाब में दोनों सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों की क्षमताओं को उन्नत बनाने
- तथा ग्रामीण और शहरी भारत के जल प्रबंधन आवश्यकताओं के लिए
- सामुदायिक जुड़ाव के विभिन्न पहलुओं को प्रस्तुत करना और प्रदर्शित करना
- स्वच्छता कार्य योजना के क्षेत्र कार्य घटक का संचालन करना

स्वच्छ भारत कार्य योजना के तहतएम.जी.एन.सी.आर.ई. की टीमे भारत के 300 जिलों में काम करने वाली हैं। हर वर्कशॉप में क.क्विज़ होगा ख. परिसर में कोविद 19 के लिए एक्शन प्लान को आवरण करने वाला एक्शन प्लान कार्य होगा। (स्वच्छ परिसर मैनुअल के आधार पर) ग. कैंपस में जल शक्ति (जल शक्ति कैंपस और जल शक्ति ग्राम मैनुअल पर आधारित) और घ. ग्राम दत्तक ग्रहण / स्वच्छता कार्य योजना (ग्रामीण तल्लीनता नियमावली पर आधारित)।

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद
उच्चतर शिक्षा विभाग
मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार
5-10-174, शक्कर भवन, बाउंड फ्लोर, फ़तेह मैदान रोड, हैदराबाद-500 004, तेलंगाना.
दूरभाष : 040-23422112, 23212120, फैक्स : 040-23212114 ई-मेल: editor@mgncre.in, वेबसाइट: www.mgncre.org
संपादकीय टीम: डॉ. डब्ल्यू.बी.प्रसन्न कुमार, अध्यक्ष, एम.जी.एन.सी.आर.ई., डॉ.डी.एन.दास, सहायक निदेशक, अनसूया.वी
श्री पी.मुरली मनोहर, सदस्य-सचिव, एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा प्रकाशित